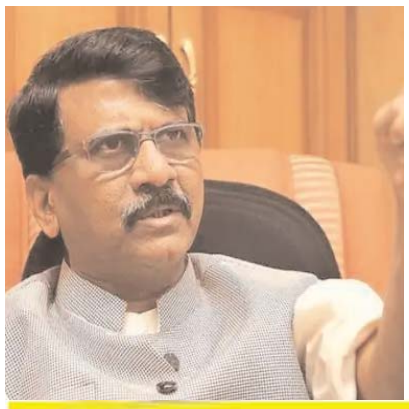


दैनिक

# पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 03 : अंक : 285 | ग्वालियर , बुधवार 18 नवम्बर 2020 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य : 01, रुपए, पृष्ठ 8


## न्यूज ट्रैक

### पाकिस्तान सेना के आतंकी लिंक पर ओबामा का बड़ा खुलासा, ओसामा के खिलाफ ऑपरेशन को इसलिए रखा गुप्त

**वॉशिंगटन।** अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने कहा है कि उन्होंने एबटाबाद में ओसामा बिन लादेन के ठिकाने पर छापा मारने के अभियान में पाकिस्तान को शामिल करने से इनकार कर दिया था, क्योंकि यह खुला रहस्य था कि पाकिस्तान की सेना, खासकर उसकी खुफिया सेवा में कुछ तत्वों के तालिबान और संभवत: अलकायदा से संबंध थे और वे कई बार आफगानिस्तान और भारत के खिलाफ सामरिक पूंजी के तौर पर इनका इस्तेमाल करते थे। ओबामा ने ए प्रोमिस्ड लैंड नामक अपनी किताब में राष्ट्रपति के रूप में अपने कार्यकाल में एबटाबाद में मारे गए छापे की जानकारी दी है। अमेरिकी कमांडो के इस छापे में दुनिया का सर्वाधिक वांछित आतंकवादी लादेन दो मई, 2011 को मारा गया था। उन्होंने बताया कि इस अत्यधिक खुफिया अभियान का तत्कालीन रक्षा मंत्री रोबर्ट गेट्स और पूर्व उपराष्ट्रपति और मौजूदा निर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन ने विरोध किया था। अमेरिका के पहले अश्वेत राष्ट्रपति ने बताया कि एबटाबाद में पाकिस्तानी सैन्य छावनी के बाहर एक पनाहगाह में लादेन के रहने की बात स्पष्ट हो जाने के बाद अलकायदा प्रमुख को मारने के लिए कई विकल्पों पर विचार किया गया। उन्होंने कहा कि इस अभियान की गोपनीयता बनाए रखने की आवश्यकता ने चुनौती बढ़ा दी थी।ओबामा ने कहा, हम जानते थे कि यदि किसी को बिन लादेन के बारे में हमारे कदम की जरा सी भी भनक लग गई, तो मौका हमारे हाथ से चला जाएगा, इसी लिए पूरी संघीय सरकार में केवल कुछ ही लोगों को अभियान की योजना की जानकारी दी गई थी। उन्होंने लिखा, हमारे सामने एक और रुकावट थी, हम भले ही कोई भी विकल्प चुनते, उसमें पाकिस्तान को शामिल नहीं किया जा सकता था। ओबामा ने कहा, हालांकि पाकिस्तान सरकार ने आतंकवाद विरोधी कई अभियानों में हमारे साथ सहयोग किया और अफगानिस्तान में हमारे बलों के लिए अहम आपूर्ति मार्ग मुहैया कराया, लेकिन यह खुला रहस्य था कि पाकिस्तान की सेना, खासकर उसकी खुफिया सेवाओं में कुछ तत्वों के तालिबान और संभवत: अलकायदा से भी संबंध थे। वे यह सुनिश्चित करने के लिए सामरिक पूंजी के तौर पर कभी-कभी उनका इस्तेमाल करते थे कि अफगान सरकार कमजोर बनी रहे और अफगानिस्तान पाकिस्तान के सबसे बड़े दुश्मन भारत के नजदीक न आने पाए। उन्होंने लिखा कि पाकिस्तान की सेना एबटाबाद परिसर से कुछ ही मील की दूरी पर थी, जिसके कारण इस बात की संभावना बढ़ गई थी कि पाकिस्तानियों को कुछ भी बताने से अभियान की जानकारी लीक हो सकती है। ओबामा ने लिखा कि वे एबटाबाद में भले ही कोई भी विकल्प चुनते, उन्हें सबसे खतरनाक तरीके से अपने सहयोगी के क्षेत्र में बिना अनुमति घुसना पड़ता और इससे राजनयिक संबंध भी दाव पर लगे थे और इसने जटिलताएं भी बढ़ा दी थी। अंतिम चरणों में दो विकल्पों पर विचार किया गया कि हवाई हमला किया जाए या किसी विशेष मिशन को अधिकृत किया जाए, जिसके तहत एक टीम हेलीकॉप्टर से चोरी-छुपे पाकिस्तान जाएगी, परिसर पर छापा मारेगी और पाकिस्तानी पुलिस या सेना के प्रतिक्रिया देने से पहले वहां से निकल आएगी। ओबामा और उनकी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम ने दूसरे विकल्प को चुना। ओबामा ने कहा कि इस अभियान के बाद उन्होंने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई लोगों से फोन पर बात की, जिनमें से उनके लिए सबसे मुश्किल पाकिस्तान के तत्कालीन राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी से बात करना था, जिन्हें पाकिस्तान की संप्रभुता के हनन के कारण आलोचनाओं का शिकार होना पड़ता। उन्होंने कहा, हालांकि मैंने जब उनसे बात की, तो उन्होंने बधाई दी और सहयोग देने का आश्वासन दिया।

### सेना की सख्ती से घाटी में टूटी आतंकियों की कमर, कम हुई आतंकवादियों की नई भर्ती

नई दिल्ली। भारतीय सेना के लक्षित ऑपरेशनों से आतंकियों के मारे जाने और एनकाउंटर के दौरान आतंकियों को आर्त्मसमर्पण का मौका देने से कश्मीर में आतंकियों की नई भर्ती में अब कमी का रुझान है। सुरक्षाबल इसे सकारात्मक मान रहे हैं। लेकिन यह भी मान रहे हैं कि इससे पाकिस्तान बौखला गया है और वह युवाओं को गुमराह करने के लिए नए हथकंडे अपना रहा है। सुरक्षा बलों से जुड़े सूत्रों ने बताया कि कश्मीर में पिछले साल की तुलना में इस बार स्थानीय स्तर पर आतंकियों की भर्ती में इजाफा हुआ है। आशंका यहां तक जताई जा रही थी कि यह 2018 के रिकॉर्ड को तोड़ सकती है जब 214 युवा आतंकी बने थे। लेकिन पिछले दो महीनों के दौरान सेना के लक्षित ऑपरेशनों में बड़े पैमाने पर आतंकियों का सफाया हुआ है और एनकाउंटर के दौरान नौ नए भर्ती हुए आतंकियों को सरेंडर करने का मौका दिया। सेना के सूत्रों ने कहा कि मार्च आखिरी में लॉकडाउन लगने के दौरान उम्मीद के विपरीत कश्मीर में बड़े पैमाने पर स्थानीय युवकों की भर्ती हुई। लेकिन अगस्त के बाद इसमें गिरावट का रुझान है। अक्तूबर मध्य तक के आंकड़ों के अनुसार, कुल 131 स्थानीय युवकों ने आतंक की राह चुनी। लेकिन अब तक राज्य में 189 आतंकी मारे गए हैं। इनमें ज्यादातर स्थानीय आतंकी थे और जो तीन-छह महीने के दरम्यान भर्ती हुए थे। सुरक्षा बलों का कहना है कि आतंकियों की भर्ती में गिरावट के रुझान से पाकिस्तान बौखलाया हुआ है। उसके द्वारा कई हथकंडे अपनाए जा रहे हैं। जैसे निर्दोष लोगों पर फायरिंग किया जाना। विदेशी आतंकियों की घुसपैठ कराना, घाटी में सक्रिय आतंकियों के जरिये युवाओं को धमकाना, मस्जिदों के जरिये युवाओं को उकसाना आदि शामिल है। यह भी खबर है कि कुछ निष्क्रिय आतंकी संगठनों को नए सिरे से खड़ा करने की योजना भी बनाई जा रही है। मकसद यह है कि युवाओं को गुमराह करने का कोई नया तरीका पेश किया जाए।

# बिहार के बाद अन्य राज्यों में भी यह प्रयोग कर सकती है बीजेपी, क्या है रणनीति ?

**नई दिल्ली।** बिहार में सरकार गठन में नए चेहरों को सामने लाने के बाद भाजपा अन्य राज्यों में भी इस प्रयोग को आगे बढ़ा सकती है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने अपने संगठन की टीम के साथ इसकी शुरुआत कर दी है। अब उनकी विभिन्न राज्यों के संगठन प्रभारियों की टीम अपने-अपने राज्यों में इस बदलाव की संभावना तलाशेगी। भाजपा ने साल 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद ही संगठन में युवा और नए चेहरों के साथ कई बदलाव करने की शुरुआत की थी। कई जगह उसने इस काम को किया भी है, लेकिन कुछ राज्यों में विभिन्न कारणों से इसे मूर्त रूप नहीं दे पाई है। मध्यप्रदेश और राजस्थान में संगठन में तो बदलाव

किए हैं, लेकिन राजनीतिक नेतृत्व नहीं बदला जा सका है। हालांकि, इन दोनों राज्यों की राजनीतिक स्थितियां अलग तरह की हैं।

सूत्रों के अनुसार पार्टी दक्षिण में अपने विस्तार को मजबूत करने के साथ कर्नाटक में भी मुख्यमंत्री बीएस येदुरप्पा के विकल्प की तलाश में है। हालांकि वह जल्दबाजी नहीं करेगी, क्योंकि उसके लिए सरकार की स्थिरता भी जरूरी है। केंद्रीय संगठन महासचिव बीएल संतोष और महासचिव सीटी रवि दक्षिण के राज्यों को सीधे तौर पर देख रहे हैं। निकट भविष्य में इन राज्यों में कई बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

#### युवा नेताओं को उभारेंगे

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा हाल में विभिन्न राज्यों के लिए जिन केंद्रीय प्रभारियों की नियुक्ति की है वह खुद भी नए और युवा हैं। उनका दायित्व अपने-अपने राज्यों में जिला और प्रदेश स्तर पर नए और युवा नेताओं को उभारने का होगा, ताकि अगले आम चुनाव तक भाजपा के पास ऊर्जावान नेताओं की बड़ी टीम तैयार हो सके।

#### सुशील कुमार को मिल सकती है केंद्र में जगह

बिहार में भाजपा ने गठबंधन सरकार होने के बावजूद इस बदलाव की शुरुआत कर दी है। सुशील कुमार मोदी की जगह नए नेतृत्व को लाया गया है। पार्टी के प्रमुख नेता ने कहा का इसका मतलब किसी नेता को हटाना नहीं है, बल्कि नई टीम के लिए जगह बनाना है। जो अनुभवी नेता हैं उनका दूसरी जगह सदुपयोग किया जाना है। सूत्रों का कहना है कि सुशील मोदी को केंद्र में जगह मिल सकती है।

**ब्रिक्स सम्मेलन बोले पीएम मोदी- आतंकवाद दुनिया की सबसे बड़ी समस्या**

# सप्ताह में दूसरी बार चीन के राष्ट्रपति के साथ

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को ब्रिक्स सम्मेलन को संबोधित किया। पीएम मोदी ने इस दौरान आतंकवाद को दुनिया की सबसे बड़ी समस्या बताते हुए नाम लिए बिना पाकिस्तान पर निशाना साधा। पीएम मोदी ने कहा, आतंकवाद आज विश्व के सामने सबसे बड़ी समस्या है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि आतंकवादियों को समर्थन और सहायता देने वाले देशों को भी दोषी ठहराया जाए, और इस समस्या का संगठित तरीके से मुकाबला किया जाए। पीएम मोदी ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग सप्ताह में दूसरी बार वर्चुअल मंच साझा किया। ब्राजील, रूस, भारत, चीन और साउथ अफ्रीका के नेता कोविड-19 महामारी के बीच इकॉनमिक रिकवरी पर चर्चा की। रूसी

राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आमंत्रण पर पीएम मोदी ग्लोबल स्टैबिलिटी, शेयर्ड सिक्योरिटी एंड इनोवेटिव ग्रोथ थीम पर आयोजित वर्चुअल ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल हुए। 10 नवंबर को मोदी और शी जिनपिंग ने शंघाई सहयोग संगठन के सम्मेलन में हिस्सा लिया था, जिसकी अध्यक्षता रूस ने की थी। चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिटिव पर अप्रत्यक्ष संदर्भ में पीएम मोदी ने एससीओ सदस्यों से अपील की कि एससीओ सदस्य कनेक्टिविटी प्रॉजेक्ट्स को लागू करते हुए दूसरे देशों की संप्रुता और अखंडता का सम्मान करें। पीएम ने पाकिस्तान पर भी निशाना साधा और कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि बार-बार द्वीपक्षीय मुद्दों को उठाकर एससीओ चार्टर का उल्लंघन किया जा रहा है। रूस ने भी इस मुद्दे पर भारत का समर्थन किया था।

## भारत में अब तक कोरोना वायरस के 12 करोड़ 65 लाख टेस्ट, रिकवरी रेट 93 फीसदी के पार

**नई दिल्ली।** देश में कोरोना वायरस के प्रकोप दिन पर दिन बढ़ते ही जा रहा है। मंगलवार को स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि भारत में प्रति 10 लाख जनसंख्या पर 94 मौतें दर्ज की गई हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि अब तक 12 करोड़ 65 लाख टेस्ट किए जा चुके हैं। क्युमुलेटिव पॉजिटिविटी रेट 7 फीसदी है। पिछले एक सप्ताह का डेली पॉजिटिविटी रेट 4.1 फीसदी है। रिकवरी रेट 93 फीसदी से अधिक पहुंच गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सचिव राजेश भूषण ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि हमारे यहां प्रति 10 लाख आबादी पर 6430 कोरोना वायरस के मामले हैं। पिछले 7 दिन में भारत में प्रति 10 लाख आबादी पर 211 नए मामले सामने आए हैं। कई देशों में यह संख्या 2500 से भी अधिक है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि भारत में प्रति 10 लाख जनसंख्या पर 94 मौतें दर्ज की गई हैं। कई विकसित देश ऐसे हैं जहां प्रति 10 लाख जनसंख्या पर 500 से 600 मौतें दर्ज की गई हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि पिछले हफ्ते रोजाना औसतन कोरोना वायरस के 46701 मरीजों की रिकवरी दर्ज की गई थी जबकि इस अवधि में औसतन 40365 नए मामले प्रतिदिन दर्ज किए गए थे। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि दिल्ली में जून के बाद से रोजाना टेस्ट में वृद्धि की गई है।

### भोपाल में 20 साल की पोती ने दादी के घर से निकलते ही फांसी लगाई, पुलिस को नहीं मिल रहा कोई सुराग

**भोपाल।** मध्यप्रदेश के भोपाल में एक 20 साल की लड़की ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। घटना के दौरान लड़की घर में अकेली थी। हालांकि, लड़की ने ना तो कोई सुसाइड नोट छोड़ा है और ना ही उसके सुसाइड करने की कोई वजह सामने आई है। दरअसल, जिस दौरान लड़की ने यह कदम उठाया उस समय लड़की की दादी केवल 3 घंटों के लिए घर से बाहर गई थी। यह मामला गांधीनगर इलाके का है। यहां पर सिरिया पारदी अपने पिता दिनमान पारदी के साथ अंबेडकर नगर, गांधीनगर में रहती थी, जिस दौरान यह हादसा हुआ, उस समय लड़की के माता-पिता दिवाली मनाने के लिए राजस्थान में अपने गांव गए हुए थे।

### पीड़िता के पूरे परिवार के साथ की मारपीट, नहीं हुई कोई कार्यवाही

कोतवाली ललितपुर अंतर्गत ग्राम रजवारा निवासी लक्ष्मी राय ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर बताया कि दिनांक 31.10.2020 को पीड़िता के पूरे परिवार के साथ गांव के रहने वाले विष्णु, सुरेन्द्र, सोनू, दीपेश, ने पीड़िता के घर आकर पीड़िता लक्ष्मी राय, पति मनोहर लाल, पुत्री जूली राय के साथ मारपीट कर घायल कर दिया था जिसमे पीड़िता एव उसके परिवार वालो को काफी चोट आई थी जिससे पीड़िता जिला चिकित्सालय में भर्ती थी। मारपीट के साथ उक्त लोगो ने दुकान का काउंटर फोड़ दिया एव 50 हजार रुपये की लूट की गई थी। पीड़िता ने बताया कि जिसकी शिकायत कही दर्ज नही की जा रही है शिकायती पत्र देकर पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक से शिकायत दर्ज कराये जाने की गुहार लगाई है।

### तबलीगी जमात मामला: केंद्र को सुप्रीम कोर्ट ने लगाई फटकार, कहा- हम आपके जवाब से संतुष्ट नहीं

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने कोविड-19 महामारी का प्रकोप शुरू होने के दौरान राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित तबलीगी जमात के समागम से संबंधित मीडिया रिपोर्टिंग से जुड़े मामले में केंद्र द्वारा पेश हलफनामे पर अप्रसन्नता जाहिर की और कहा कि टेलीविजन पर इस तरह की सामग्री से निपटने के लिए केंद्र को नियामक प्रणाली बनाने पर विचार करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को ऐसी प्रणाली बनाने और इस बारे में अदालत को सूचित करने का निर्देश दिया। प्रधान न्यायाधीश एस.ए. बोबडे की अध्यक्षता वाली पीठ ने सॉलीसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा, पहले तो आपने उचित हलफनामा दाखिल नहीं किया और अब आपने ऐसा हलफनामा

पेश किया जिसमें दो महत्वपूर्ण सवालों के बारे में कुछ नहीं कहा गया है। यह कोई तरीका नहीं है। शीर्ष अदालत ने कहा, हम आपके जवाब से संतुष्ट नहीं है।

### पहली मंजिल पर कमरे में आग लगने से युवक की मौत

**नागौर।** राजस्थान के नागौर जिले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां पर घर के केवल एक कमरे में आग लग गई, जिससे वहां सो रहे युवक की मौत हो गई। हालांकि, हैरान कर देने वाली बात यह है कि घर में ग्राउंड फ्लोर पर सो रहे लोगों की इसकी भनक तक नहीं लगी। दरअसल, यह घटना डीडवाना शहर की है। मिली जानकारी के अनुसार हादसा सुबह साढ़े 5 बजे का है। इस हादसे में विजय मीणा नाम के शख्स की मौत हो गई है। दरअसल, विजय अपने घर की पहली घर की पहली मंजिल के एक कमरे में सो रहा था।

**बिहार: आरजेडी नेता ने अपने सगे भाई व**

# एआईएमआईएम विधायक को दी जान से मारने की धमकी

**अररिया।** जोकीहाट विधानसभा सीट के राजद प्रत्याशी व पूर्व सांसद सरफराज आलम अपने समर्थकों के साथ सगे भाई व एआईएमआईएम विधायक शाहनवाज आलम

के सिसौना स्थित आवास में घुसकर उनकी पत्नी, मां व बेटी के साथ न केवल दुर्व्यवहार किया, बल्कि विधायक को जान मारने की धमकी भी दी। घटना के समय विधायक शाहनवाज अररिया में थे। सूचना के बाद विधायक तुरंत जोकीहाट सिसौना पहुंचकर घटना की पूरी जानकारी डीएम, एसपी, एसडीपीओ आदि अधिकारियों को दी। मौके पर पहुंच आला अधिकारियों ने मामले की छानबीन की। वहीं विधायक की पत्नी गजाला खातून ने जोकीहाट पुलिस स्टेशन में अपने जेठ सरफराज आलम सहित 15 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। प्राथमिकी में जिन लोगों को नामजद किया गया है, उनमें पप्पू पासवान, राशिक अंजूम, बबलू, अरशद, युवा राजद के जिला अध्यक्ष गौरव कुमार उर्फ बिट्टू, मुखिया फिरोज, हाजी खलील व सात अज्ञात शामिल हैं।

**विधायक को 24 घंटे के अंदर जान से मारने की दी धमकी-**इस बीच ये लोग उनके विधायक शाहनवाज आलम पति को खोजने लगे। जब विधायक घर में नहीं मिले तो 24 घंटे के अंदर जान से मारने की धमकी देते हुए सारे लोग चले गए। शोर शराबा होने पर पड़ोस के लोग वहां जमा हो गए। गजाला ने कहा कि इस घटना से पूरा परिवार खौफजदा है। उन्होंने भविष्य में उसके पति व परिवार के साथ किसी भी तरह की अनहोनी होने की आशंका जताते हुए प्रशासन से सुरक्षा की गुहार लगाई। घटना के बाद से दोनों भाईयों के समर्थकों के बीच तनाव का माहौल बना हुआ है। बता दें कि सरफराज व शाहनवाज सीमांचल गांधी के नाम से चर्चित तसलीमउद्दीन के बेटे हैं। इस बार के विधानसभा चुनाव में एमआईएमआई प्रत्याशी के रूप में शाहनवाज ने राजद प्रत्याशी व अपने बड़े भाई सरफराज को हराया था।

**दोषियों की होगी जल्द गिरफ्तारी- एसपीडीओ-**इस पूरे मामले को लेकर अररिया सदर एसडीपीओ पुष्कर कुमार ने कहा कि घटना के बाद मौके पर पहुंचकर हमने छानबीन की। फिलहाल विधायक की पत्नी के आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।


ग्वालियर से प्रकाशित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका,ऑनलाइन न्यूज़ चैनल,पोर्टल,एंड्रॉयड ऐप

को

सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है

ब्यूरो चीफ / रिपोर्ट्स

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल

आदि राज्यो के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है।

संपर्क करें

कार्यालय : ए ब्लॉक,404 भाऊ साहब पोतनीस एंक्लेव,गोले का मंदिर ग्वालियर मध्यप्रदेश मो. 8269307478,7999246560

Website - www.pushpanjalitoday.com,
Email - pushpanjalitoday@gmail.com

## सम्पादकीय

### सातवीं बार शपथ

बिहार में शांतिपूर्ण ढंग से नई सरकार का गठन ऐतिहासिक और स्वागतयोग्य है। बिहार में विधानसभा चुनाव 2020 में जीत के बाद नीतीश कुमार ने सातवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। जब राज्यपाल फागू चौहान उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिला रहे थे, तब सारे देश की निगाह बिहार पर थी। पिछले कार्यकालों की तुलना में उनका यह नया कार्यकाल बहुत निर्णायक होने वाला है। इस बार कहीं ज्यादा आकांक्षाओं और महत्वाकांक्षाओं के साथ लोग उनकी ओर निहार रहे हैं। सबको साथ लेकर चलने के अलावा खास तौर पर भाजपा के साथ बेहतर तालमेल बनाकर चलना उनके लिए इस बार ज्यादा जरूरी है। कहा जा रहा है कि प्रति साढ़े तीन विधायक पर एक मंत्री बनाने का फॉर्मूला बना है, तो जाहिर है, सरकार में भाजपा के चेहरे इस बार ज्यादा होंगे। भाजपा के इन सभी चेहरों को भी यह ध्यान रखना होगा कि एनडीए की सरकार बनने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भूमिका सबसे ज्यादा है। अत- सबसे बड़ी जिम्मेदारी यह होनी चाहिए कि केंद्र सरकार की तमाम जनोपयोगी योजनाओं को सोलह आना लागू किया जाए। केंद्र द्वारा आवंटित धन का अधिकतम सदुपयोग हो। जद-यू को भी छोटी-छोटी नाराजगी के इजहार से बचकर चलते हुए खुद को फिर खड़ा करना है। बेहतर काम से अपने विरोधियों को जवाब देना है। शराबबंदी जैसी महत्वाकांक्षी नीति के बारे में ठोस फैसले और निगरानी की जरूरत है। शराबबंदी दिखावा नहीं होनी चाहिए और उसकी बिक्री के आपराधिक तंत्र को जल्द से जल्द उखाड़ फेंकना चाहिए। एक बड़ी चुनौती रोजगार की है। लोगों और युवाओं को पिछली सरकारों की तुलना में इस सरकार से ज्यादा उम्मीदें हैं। जहां भाजपा को 19 लाख रोजगार का अपना चुनावी वायदा नहीं भूलना चाहिए, वहीं नीतीश कुमार बिहार सरकार के खाली पदों पर भर्ती कर दें, तो भी राज्य का कल्याण हो जाएगा। डॉक्टर, पुलिस, नर्सिंग स्टाफ, सरकारी कर्मचारी इत्यादि का अनुपात राज्य में चिंताजनक है। रोजगार देने की दिशा में लोगों को विश्वास में लेकर चलने में ही सरकार की भलाई है। बिहार एक जागरूक प्रदेश है और वहां सरकार जितनी पारदर्शिता के साथ काम करेगी, उतना अच्छा होगा। सरकार में बैठे लोगों को ध्यान रखना होगा कि यह कोई आखिरी चुनाव नहीं है और कांटे की टक्कर में सत्ता हासिल हुई है। राजद और कांग्रेस जैसी जो पार्टियां पराजित हुई हैं, वे आक्रामक मुद्रा में हैं और इन पार्टियों ने संकेत दे दिया है कि सरकार को आने वाले दिनों में कदम-कदम पर विरोध का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि, लोग विपक्षी पार्टियों से भी यह उम्मीद करेंगे कि वे बिहार को आगे ले जाने में सरकार का साथ दें। ताकतवर विपक्ष देकर राज्य के लोगों ने जो संदेश दिया है, उसे राज्य के दोनों पक्षों को समझना चाहिए। बहुत कुछ सरकार पर निर्भर करेगा कि वह सकारात्मक दिशा में आगे बढ़े, ताकि उसे कम से कम विरोध का सामना करना पड़े। यह नीतीश कुमार का सौभाग्य है कि मुख्यमंत्री के रूप में उन पर बिहार के लोगों और सहयोगी दलों ने सबसे ज्यादा भरोसा किया है। इतना मौका लोग शायद ही किसी नेता को देते हैं। केवल बिहार ही नहीं, बल्कि देश की उम्मीदों पर खरा उतरना व अपनी छवि को और विराटता देने का यह स्वर्णिम मौका हाथ से नहीं जाना चाहिए।

# रोबोट युग में रोजगार का संकट

जयंतीलाल भंडारी

भारत की पैंसठ फीसद आबादी पैंतीस साल से कम आयु की है, इसलिए युवा आबादी उच्च गुणवत्ता और कौशल प्रशिक्षित होकर मशीनों की बढ़ती चुनौतियों के बीच भी दुनिया के लिए उपयोगी और भारत के लिए आर्थिक कमाई का प्रभावी साधन सिद्ध हो सकती है। दुनिया में प्रौद्योगिकी के विकास के साथ ही एक बड़ा संकट रोजगार का भी खड़ा हुआ है। इसमें कोई संदेह नहीं कि तकनीक के विकास और मशीनीकरण ने दुनिया को बदल डाला है, लेकिन इसका दूसरा चिंताजनक पहलू यह भी है कि मशीनी विकास से लोगों का काम भी छिनता गया है। और आज तो हम रोबोट युग में है। रोबोटों के बढ़ते उपयोग ने इस चिंता को और गहरा दिया है कि आने वाले वक्त में क्या इंसान उत्पादन में किसी भी रूप में भागीदार नहीं रह जाएगा।

हाल में भविष्य के रोजगार परिदृश्य को लेकर प्रकाशित वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की (डब्ल्यूईएफ) रिपोर्ट के मुताबिक अगले पांच साल यानी 2025 तक दुनिया में करीब साढ़े आठ करोड़ नौकरियां इंसानों से मशीनों के पास जा सकती हैं। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि करीब नौ करोड़ सत्तर लाख ऐसी नई नौकरियों की भूमिकाएं भी विकसित होंगी, जिनसे इंसान और मशीनों के बीच सामंजस्य बन सकेगा। रोबोट के बढ़ते प्रयोग के कारण आगामी पांच-दस वर्षों में दुनिया भर में परंपरागत नौकरियां खत्म होने लगेंगी। कोविड-19 के कारण दुनिया भर में डिजिटल अर्थव्यवस्था और तकनीक की अहमियत बढ़ी है। इससे भी रोजगार क्षेत्र में बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। इस समय दुनिया में उपभोक्ताओं की प्राथमिकता में रोबोट की अहमियत लगातार बढ़ रही है। जापान जैसे देशों में तो घरेलू काम तक में रोबोट इस्तेमाल हो रहे हैं।

ऐसे में कोविड-19 के बाद रोबोट वैश्विक अर्थव्यवस्था का एक अहम हिस्सा हो जाएंगे, इसमें कोई शक नहीं। जिन देशों में कार्यशील युवाओं की कमी है, उन देशों में रोबोट अत्यधिक लाभप्रद होंगे। लेकिन भारत जैसे अधिक कार्यशील आबादी वाले देशों में रोबोट के बढ़ने से रोजगार और नौकरियां जाने का खतरा बढ़ता जाएगा। दुनिया की अर्थव्यवस्था में मशीनों यानी रोबोट की अहमियत कितनी बढ़ गई है, इसका अंदाजा अमेरिका के बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप की रिपोर्ट से लगाया जा सकता है। इस रिपोर्ट के अनुसार रोबोट का वैश्विक बाजार लगातार बढ़ रहा है। वर्ष 2010 में दुनिया में रोबोट का बाजार करीब पंद्रह अरब डॉलर मूल्य का था, जो इस साल यानी 2020 में करीब तियालीस अरब डॉलर तक पहुंच गया है। अनुमान है कि 2025 तक यह सड़सठ अरब डॉलर का हो जाएगा। इस समय दुनिया में सबसे ज्यादा कार्यरत रोबोट जिन देशों के पास है, उनमें चीन, जापान, अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जर्मनी प्रमुख हैं।

दुनिया में विभिन्न प्रकार के रोबोटों की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही है। सामान्यतया रोबोट दो तरह के होते हैं- इंडस्ट्रियल (औद्योगिक) रोबोट और सर्विस रोबोट। इंडस्ट्रियल रोबोट औद्योगिक एवं कारोबार इकाइयों में काम करते हैं, जबकि सर्विस रोबोट सर्विस से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में सेवा संबंधी

काम करते हैं, जिनमें पेशेवर कामकाज वाले रोबोट, घरेलू काम में प्रयोग होने वाले रोबोट शामिल होते है। दुनिया में कोरोना वायरस से निपटने और अधिक से अधिक लोगों को कोरोना संक्रमण से बचाने के लिए रोबोटों का बखूबी उपयोग किया गया है। यह मशीनों के नए युग का संकेत है।

दुनिया में औद्योगिक गतिविधियों में इस्तेमाल होने वाले रोबोट की संख्या 2018 में करीब चौबीस लाख थी, जो 2022 में बढ़ कर करीब चालीस लाख तक पहुंचने का अनुमान है। औद्योगिक रोबोट चीन में सबसे ज्यादा हैं। वर्ष 2018 में चीन में करीब साढ़े छह लाख औद्योगिक रोबोट थे। चीन में प्रत्येक दस हजार कर्मचारियों पर सात सौ बत्तीस रोबोट काम कर रहे हैं। जबकि भारत में 2018 में कारखानों में करीब तेईस हजार रोबोट कार्यरत थे। पूरी दुनिया में औद्योगिक रोबोट के मामले में भारत ग्यारहवें स्थान पर है। भारत में औद्योगिक क्षेत्र में प्रत्येक दस हजार कर्मचारियों पर चार रोबोट काम कर रहे हैं। दुनिया में औद्योगिक रोबोटों की तुलना में पेशेवर और घरेलू काम में मदद करने वाले रोबोटों की संख्या तेजी से बढ़ी है। वर्ल्ड रोबोटिक्स-2019 की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2018 में 2.71 लाख पेशेवर सेवा देने वाले रोबोट बिके थे और वर्ष 2022 तक यह संख्या दस लाख को पार सकती है। इसी तरह वर्ष 2018 में एक करोड़ तिरसठ लाख रोबोट घरेलू उपयोग वाले बिके थे। अनुमान है कि 2022 तक इनकी बिक्री बढ़ कर करीब छह करोड़ के पार निकल सकती है। इसी तरह वर्ष 2018 में मनोरंजन साधन वाले इकतालीस लाख रोबोट बिके थे। माना जा रहा है कि इनकी संख्या बढ़ कर वर्ष 2022 में करीब साठ लाख हो सकती है। वर्ष 2018 में चिकित्सा संबंधी उपयोग वाले पांच हजार एक सौ रोबोट बिके थे, साल 2022 तक इनकी संख्या बीस हजार से भी अधिक हो सकती है।

रोबोटों के बढ़ रहे इस्तेमाल से दुनिया के दूसरे देशों के मुकाबले भारत का रोजगार बाजार अधिक प्रभावित होगा। ऐसे में हमें देश की विकास नीति में रोबोट की भूमिका पर भी विशेष विचार मंथन करने की जरूरत है। देश के विनिर्माण क्षेत्र की प्रतिस्पर्धा वैश्विक विनिर्माण क्षेत्र से है। इसमें कोई संदेह नहीं कि जब दुनिया रोबोट के इस्तेमाल की ओर बढ़ रही है तो भारत का विनिर्माण क्षेत्र भी उससे बहुत दूरी बना कर नहीं रह सकता। आइटी जैसे क्षेत्रों में भी रोबोट के महत्त्व से इंकार नहीं किया जा सकता। ऐसे में जहां एक ओर देश में जरूरी क्षेत्रों में उपयुक्त संख्या में रोबोट का उपयोग किया जाए, वहीं दूसरी ओर सरकार को रोबोट के बढ़ते उपयोग से पैदा होने वाली रोजगार चिंताओं पर ध्यान देते हुए देश की नई पीढ़ी को रोबोट जैसी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के उच्च कौशल से प्रशिक्षित करने सहित रोजगार के अवसर बढ़ाने की रणनीति भी बनानी होगी। मशीनों का मुकाबला करने और रोजगार बढ़ाने के लिए देश में उच्च कौशल प्रशिक्षण की बहुत जरूरत है। उच्च शिक्षा और कौशल विकास पर उपयुक्त ध्यान देकर रोजगार की चुनौतियों के बीच रोजगार की नई संभावनाओं को साकार किया जा सकता है।

विश्व बैंक की रोजगार रहित विकास नामक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में नौजवानों की बढ़ती तादाद को ध्यान में रखते हुए हर साल इक्यासी लाख नई नौकरियां और रोजगार के अवसर पैदा करने की जरूरत है। इतने रोजगार के अवसर और नौकरियां जुटाने के लिए शिक्षण-प्रशिक्षण की गुणवत्ता में सुधार और सार्वजनिक व निजी निवेश में भारी वृद्धि करनी होगी। विश्व बैंक का कहना है कि दुनिया के अधिकांश विकसित और विकासशील देशों में जनसंख्या वृद्धि दर तेजी से घटने के कारण कामकाजी आबादी कम हो गई है। भारत की पैंसठ फीसद आबादी पैंतीस साल से कम आयु की है, इसलिए युवा आबादी उच्च गुणवत्ता और कौशल प्रशिक्षित होकर मशीनों की बढ़ती चुनौतियों के बीच भी दुनिया के लिए उपयोगी और भारत के लिए आर्थिक कमाई का प्रभावी साधन सिद्ध हो सकती है।

देश में अब डिजिटल रोजगार भी बढ़ रहे हैं। डिजिटल अर्थव्यवस्था में भारत की नई पीढ़ी के मौके बढ़ते जा रहे हैं। यह जरूरी है कि रोजगार में नए मौकों और तेज वृद्धि के लिए भारत को कारोबार, उत्पादन और निर्यात के वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित किया जाए। भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। साथ ही, भारतीय बाजार दुनिया का चौथा सबसे बड़ा बाजार है। देश में प्रतिभाशाली नई पीढ़ी के द्वारा बढ़ते हुए नवाचार, नए छोटे कारोबार, शोध और विकास, आउटसोर्सिंग और कारोबार संबंधी अनुकूलताओं के कारण दुनिया की शीर्ष वित्तीय और वाणिज्यिक कंपनियां भारत की ओर देख रही हैं। ऐसे में भारतीय बाजार में नए दौर के रोजगारों की संभावनाएं प्रबल हैं।

## महापर्वः छठ

सबकी समस्त शक्ति और ऊर्जा का स्त्रोत और
धर्म अध्यात्म से परिपूर्ण सूर्योपासना का व्रत मैं करती हूँ
सबके आस्था विश्वास का प्रतीक छठ पूजा नाम जिसका
यह है स्वच्छता का महान उत्सव सामाजिक परिदृश्य का महापर्व है बड़ा पावन
आज अपना घर-आँगन साफ - सुथरा करती हूँ!!
सजे हुए नदी पोखर तालाब दीपों से जगमग रोशन घाट हैं
हवन से सुगंधित वातावरण सात्विक विचार हो जाते हैं
सूचितापूर्ण जीवन का संगीत धार्मिक परंपराओं का प्रतीक
दिल में भरे अपनत्व और प्रेम से समधुर छठ का लोकगीत गाती हूँ!!
भक्ति और अध्यात्म से यक्त तन -मन निर्मल और शुद्ध
स्वच्छ सकारात्मक व्यवहार समाज के उन्नति के आधार
सबकी मनोकामना पूर्ण करता ये छठ महापर्व
भोजन के साथ सुख शैया का त्याग करती हूँ!!
अपने बच्चों के लिए निर्जला निराहार ये व्रत होता है
नये वस्त्र पहनकर उगते डूबते सूर्य को अर्ध्य दिया जाता है
ठेकुआ ,फल,फूल रस,गुड़ से निर्मित प्रसाद जीवन में
भर देता है मिठास
**आज अपने पति संग अपने पुत्रों के लिए कठिन तपस्या करती हूँ!!**
**मौलिक -आभा सिंह**

## लघुकथाः सोच का फर्क

जब बहुत ढूँढने के बाद भी किसान को अपने पिताजी की दी हुई घड़ी नहीं मिली तो उसने अपने घर से कुछ ही दूरी पर रह रहे अपने दोनों बेटों को बुलाया और पिताजी की अंतिम निशानी घड़ी को ढूँढने के लिए मदद मांगी पर छोटा बेटा आधुनिक दुनिया के तौर-तरीके में पला था कुछ समय पहले ही वह विदेश से लौटा था 7 उसने तपाक से कहा - पिताजी आप बेकार में उस पुरानी घड़ी के पीछे पड़े हो वैसे भी तो वह बार-बार परेशान करती है। तभी बड़ा बेटा बोला - अरे ! वह तो बापू को दादाजी ने दी थी, उन्हें उस घड़ी से बहुत लगाव है । बापू! आप चिंता न करें मैं आपकी घड़ी ढूँढने में मदद करता हूँ 7 कभी-कभी आप अपने तकिये के नीचे रखकर भूल जाते हो, कभी बिस्तर में समेट देते हो, मैं देखता हूँ । बड़ा बेटा बापू का सारा बिस्तर स्टोर से बाहर लेकर आता है और झाड़ता है, और उसमें से घड़ी निकाल आता है, और वह ज़ोर से बोलता है -ये लो पिताजी ! आपकी घड़ी । एक गंभीर मुद्रा से गुज़रते किसान ने अपने दोनों बेटों की ओर मुस्कुरा कर देखा।

**भावना अरोड़ा मिलन**
**कालकाजी,नई दिल्ली**

## मेरे घर लक्ष्मी आई

मन हर्षित हुआ आज
मेरे घर लक्ष्मी आई
थी वजन में वो कम
मगर खुशी-खुशी आई ।
लबों पर थी मुस्कान
मगर आंखें बंद थी
प्यार था उसे बहुत
मगर एकदम से चुप थी ।
थे आशंकित सभी
उसके आने से पहले
खुशी से आई वो
रात होने से पहले ।
दिल से आप सबको
औ दिशाओं को बधाई
मन हर्षित हुआ आज
मेरे घर लक्ष्मी आई ।

**ज्ञानंद चौबे**
**रेणुकूट , सोनभद्र**
**उत्तर प्रदेश**

## ज़िन्दगी एक पुस्तक

आजकल हर मां बाप चाहता है
अपने बच्चों को अच्छा पढ़ाना
पढ़ लिख कर उनको
बड़ा आदमी बनाना
अच्छी पुस्तकें हमेशा देती है
पढ़ाई में अच्छा ज्ञान
जिनको पढ़ने से आदमी सीखता है
अच्छे और बुरे की पहचान
पूस्तक पन्नों से भरी होती है
हर पन्ना एक नई राह दिखाता है
अच्छी पुस्तकें सच्चे मित्र से कम नहीं
गीता का उपदेश कर्म करना सिखाता है
यह ज़िन्दगी भी एक पुस्तक है
हर दिन एक नया पन्ना है
जो बुरा हो उसे छोड़ना है
जो अच्छा लिखा है उसे पढ़ना है
ज़िन्दगी भी पुस्तक की तरह
ही शुरू होती है
पढ़ते पढ़ते खत्म हो जाती है
एक बार जो चली गई
फिर लौट कर नहीं आती है
जिंदगी किताब का एक कोरा पन्ना है
जो लिखेंगे वह छप जाएगा
एक बार जो लिख दिया कोरे कागज पर
वह कभी मिट नहीं पायेगा

**रवींद्र कुमार शर्मा**
**घुमारवीं,जिला बिलासपर हि प्र**

## परिवर्तन संसार का नियम

परिवर्तन संसार का नियम है इस उक्ति को सार्थक करते आज इक्कीसवीं सदी में इंसान ने हर मुद्दों में परिवर्तन को अपनाते हर क्षेत्र में क्राति का परचम लहराया है। पर इस वर्ष समय जो परिवर्तन लाया है उसे दुनिया के सारे लोग सदियों तक याद रखेंगे। एक भी त्यौहार खुशियों की रंगत लेकर नहीं आया। ना जन्माष्टमी मनी, ना नवरात्रि ना ही कोई तीज त्यौहार। समय ने सारी परंपराएं बदल दी सोचा था कभी किसीने कि पूरी दुनिया थम जाएगी। यातायात थम गया मंदिरों तक में ताले लग गए और इंसान घरों में कैद। समय का ये परिवर्तन भी सबने स्वीकार कर लिया। इस संसार में कुछ भी अपरिवर्तनशील नही है। सब कुछ नश्वर और क्षणभंगुर है। परिवर्तन प्रकृति का नियम है। जो परिवर्तन को और अनित्यता को समझता है वही ज्ञानी है। वैसे भी एक सी शुष्क लय में कट रही ज़िंदगी से हम उब जाते है तन मन को थकान महसूस होती है। परिवर्तन जड़ता में साँसें भरता है, ऊर्जा देता है और हम परिवर्तन को अपनाते आगे बढ़ते है तब खुद में बदलाव पाते है। लॉक डाउन के समय ने हर इंसान के जीवन में मूलतः बदलाव कर दिया था। जीवन में परिवर्तन दो तरह से आते है एक तो कुदरती परिवर्तन जो प्राकृतिक होता है। जिसे ना हम रोक सकते है, ना हमारे बस में होता है। जैसे किसी बीमारी का फैलना, भूकंप, बाढ़ या अतीवृष्टि। और दूसरा जो हम लाते है हर क्षेत्र में बदलाव और नई टेक्नोलॉजी द्वारा उत्क्राति की और बढ़ते है। जीवन में भी कई परिवर्तन आते है , जनम से शिशु अवस्था , शैशव से किशोर अवस्था, किशोर से यौवन अवस्था , यौवन से प्रौढ़ अवस्था। इसके इलावा भी शादी, नौकरी , स्थान परिवर्तन वगैरह बहुत सारे परिवर्तन हमारे जीवन में आते है। सुख भी आते है दुःख भी होते है। मगर हम मनुष्य हर परिवर्तन को स्वीकार नहीं कर पाते है क्यूँकि हर परिवर्तन हमारा मन चाहा नहीं होता। हम चाहते कुछ और होता है कुछ और। जैसे हर चीज़ के दो पहलू होते है सही और गलत वैसे। पर कुछ परिवर्तन हानिकर भी होते है जैसे वैचारिक परिवर्तन, फैशन और पश्चिमी सभ्यता का अतिरेक, आधुनिकता के नाम पर कुछ गलत आदतों के शिकार हो रही आजकल की पीढ़ी के लिए ये परिवर्तन बेशक हानिकारक है। तो परिवर्तन अगर सही मायने में अपनाना है तो क्रातिकारी विचारों का अपनाना चाहिए नहीं की हानिकर्ता विचारों का। कुछ लोग अठारहवीं सदी से बाहर निकलना ही नहीं चाहते, यदि हम समाज में निरंतरता को बनाए रखना चाहते हैं तो हमें यथास्थिति को छोड़ अपने आचार-व्यवहार को परिवर्तनोन्मुख बनाना ही होगा। तभी हमारी प्रगति संभव है। यदि हम परिवर्तन को स्वीकार नहीं करते, तो हम रूढ़िवादी हो जाते हैं। ठहरे हुए जल की तरह, जिसका सड़ना निश्चित है। रूढ़िवादी लोग स्त्री स्वतंत्रता, समान अधिकार, स्त्रियों की शिक्षा आदि परिवर्तनों को स्वीकार नहीं कर पाते और अंदर ही अंदर दुःखी होकर स्वयं को जलाते रहते है और ओरों की राह का रोड़ा बनकर मुश्किलें खड़ी करते है। जीवन में अच्छा बुरा समय आता रहेगा परिवर्तन को स्वीकारना साहस का काम है। अच्छे परिवर्तन को स्वीकार कर आगे बढ़ने का नाम ही ज़िंदगी है।

**(भावना ठाकर, बेंगुलूरु)प्रभावु**

## मेरे मन को भाती मां

मेरी मां दुलारी मां,
सचमुच नाम दुलारी मां।
सारे जग से प्यारी मां,

मेरे मन को भाती मां।
जन्म मुझे दिया है मां,
आकार मुझे दिया है मां।
प्यार मुझे करती है मां,
मेरे मन को भाती मां।
मुझको खिला पिलाकर मां,
बड़ा किया है मुझको मां।
जीवन कौशल सिखलायी मां,
मेरे मन को भाती मां।
हर दुख से मुझे बचाती मां,
खुशियां मुझे लुटाती मां।
मेरा भला चाहती मां,
मेरे मन को भाती मां।
याद तुम्हें करता हूं मां,
प्यार तुम्हें करता हूं मां।
मुझ में हिम्मत भरती मां,
मेरे मन को भाती मां।
चलना मुझे सिखायी मां,
शिक्षक मुझे बनाई मां।
खुश मुझको रखती है मां,
मेरे मन को भाती मां।
कहीं नहीं गई हो मां,
मेरे पास सदा हो मां।
मेरे दिल में बसती मां,
मेरे मन को भाती मां।
धन्य धन्य हो, धन्य धन्य हो,
धन्य धन्य हो मेरी मां।
नमन है तुमको, नमन है तुमको,
नमन है तुमको मेरी मां।

**रचनाकार - बुद्धि सागर गौतम।**
**जन्म तिथि- 10/01/1988**
**कार्य- लेखक, कवि, शिक्षक, स्पर्श राजकीय बालिका इंटर कालेज गोरखपुर, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश, भारत।**
**( मौलिक व स्वरचित रचना)**

# नीतीश कुमार होने के मायने

विक्रम उपाध्याय

वर्तमान राजनीतिक भारत में संभवतः नीतीश कुमार अकेले ऐसे नेता हैं, जो पिछले ढाई दशक से लगातार सत्ता के साथ जुड़े हुए हैं। पिछले 15 साल से लगातार बिहार सरकार के मुखिया तो हैं ही, उसके पहले अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में गठित केंद्र की राजग सरकार में भी मंत्री रहे हैं। यानी 1997 से लेकर आजतक सत्ता की देवी का आशीर्वाद अनवरत उन्हें मिल रहा है।

बड़ी बात सिर्फ यह नहीं कि उनके नेतृत्व के लोग हामी रहे हैं। बड़ी बात यह भी है कि उस पार्टी के मुखिया के रूप में उन्होंने अपना सिक्का जमाए रखा, जिस पार्टी का वजूद बिहार के बाहर कभी मजबूती से महसूस भी नहीं किया गया। इतनी बड़ी कामयाबी केवल भाग्य या जोड़तोड़ से नहीं मिल सकती। इस कामयाबी के लिए नीतीश बाबू का व्यक्तित्व और उनकी निर्णय क्षमता का भी बहुत बड़ा योगदान है। नीतीश कुमार निर्णय में जितने कठोर हैं, व्यवहार में उतने ही समावेशी। जब उनपर चुनाव के दौरान अहंकारी होने का आरोप लगा तो उन्होंने हाथ जोड़कर पत्रकारों से कहा- कृपया मुझे अभिमानी मत कहिए।

सुशासन बाबू का टैग उन्हें यूं ही नहीं मिला। उसके लिए नीतीश कुमार ने भाव और प्रभाव रहित राजनीति और लोकनीति पर चलते हुए अपना बहुत कुछ दांव पर भी लगाया है। नीतीश कुमार को इससे फर्क नहीं पड़ता कि उनकी पार्टी अब भाजपा के सामने छोटे भाई की भूमिका में आ गई है। वे आज भी उतने ही विश्वास और ठसक के साथ सरकार बनाते दिखे जैसे पिछले चुनाव में राजद को ज्यादा सीटें मिलने के बाद भी मुख्यमंत्री बनते समय दिखे थे। वैसे भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत तमाम भाजपा के शीर्ष नेताओं द्वारा बारंबार इस निश्चय की घोषणा कि नीतीश कुमार ही अगले 5 वर्ष के लिए बिहार के मुख्यमंत्री रहेंगे, तो फिर किसी के मन में कोई शंका या संदेह आने की गुंजाइश भी नहीं रहती। नीतीश कुमार ने अपने राजनीतिक जीवन में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। इतिहास गवाह है कि 1995 में 324 सीट वाले बिहार विधानसभा में जनता दल यूनाइटेड को केवल 7 सीटें मिली थीं। उसके बाद नीतीश कुमार ने किस तरह बिहार की राजनीति में अपने आपको अपरिहार्य बना दिया, यह अब सबके सामने है।

1 मार्च 1951 को बिहार के बख्तियारपुर में एक साधारण परिवार में जन्में नीतीश कुमार ने अपनी सूझबूझ और जन स्वीकारोक्ति के बल पर एक अपने को असाधारण राजनेता सिद्ध कर दिया है। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग से सोशल इंजीनियरिंग तक का नीतीश कुमार का सफर कई मोड़ों से होकर गुजरा है। 1974 से लेकर 1977 तक चले जेपी आंदोलन में तपने और जनता के लिए लड़ने के लिए तैयार होने का समय था। नीतीश कुछ उन नये राजनेताओं में सम्मिलित थे जिन्हें जयप्रकाश बाबू के सम्पूर्ण क्रांति आंदोलन में सक्रिय भूमिका मिली थी। नीतीश की सफल चुनावी राजनीति 1985 में शुरू हुई, जब वे पहली बार बिहार विधानसभा के लिए चुने गये।

पहले लोकदल और फिर जनता दल में भी उन्हें महत्वपूर्ण पद दिए गए। लेकिन जनता दल में आपसी मनमुटाव के चलने नीतीश ने जार्ज फर्नांडीस के साथ मिलकर समता पार्टी का गठन कर लिया और अपनी एक अलग राजनीतिक पहचान कायम कर ली। जार्ज फर्नांडीस कांग्रेस के खिलाफ राजनीतिक गठबंधन में भाजपा के साथ आए और इस तरह से नीतीश कुमार का भी भाजपा के साथ एक औपचारिक संबंध स्थापित हो गया। राजनीति में नीतीश कुमार का कद बढ़ता गया वे जल्दी ही नौंवी लोकसभा के सदस्य भी चुन लिए गए। 1990 में उन्हें पहली बार केंद्रीय मंत्रिमंडल में बतौर कृषि राज्यमंत्री बनाया गया। वे लगातार कई वर्षों तक बिहार के बाढ़ संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते रहे। वाजपेयी सरकार में जार्ज फर्नांडीस के साथ साथ नीतीश कुमार भी कैबिनेट मंत्री बने। वहां उन्होंने रेल और भूतल परिवहन मंत्री की जिम्मेदारी संभाली।

नीतीश कुमार की रूचि और दखल बिहार की राजनीति में ज्यादा थी। जनता लालू यादव और उनकी परिवार के सरकार से तंग आ चुकी थी। प्रदेश के एक बदलाव का बयार चल रहा था। वैसे में नीतीश कुमार जनता की आकांक्षा बन कर उभरे और 2005 में बनने वाली नई सरकार का नेतृत्व संभाला। तब से वह लगातार मुख्यमंत्री के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। हालांकि वह पहली बार वर्ष 2000 में ही मुख्यमंत्री बन गए थे लेकिन उन्हें सिर्फ सात दिनों में ही त्यागपत्र देना पड़ गया। नीतीश भले ही सत्ता में पिछले ढाई दशक से बने हुए हैं, लेकिन जब भी नैतिकता की बात आई तो उन्होंने इस्तीफा देने में जरा भी संकोच नहीं किया।

# कोविड-19 : दिल्ली में पिछले 15 दिन में 1000 से ज्यादा कंटेनमेंट जोन बने

**नई दिल्ली।** राजधानी दिल्ली में अचानक से कोरोना वायरस के मामले बढ़ने के बाद कंटेनमेंट जोन की संख्या में भी काफी बढ़ोतरी हुई है। प्राधिकारियों ने बीते 15 दिन में एक हजार से ज्यादा नए कंटेनमेंट जोन बनाए हैं। दिल्ली सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, शहर में एक नवंबर को 3359 कोविड-19 कंटेनमेंट जोन थे, लेकिन 15 नवंबर को इनकी संख्या बढ़कर 4430 हो गई। सबसे ज्यादा 740 दक्षिण-पश्चिम दिल्ली में और सबसे कम 142 उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हैं।

दिल्ली में 28 अक्टूबर से कोरोना वायरस के मामलों में वृद्धि देखी जा रही है, तब पहली बार पांच हजार से ज्यादा मामले सामने आए थे और बुधवार को नए मामलों का आंकड़ा आठ हजार के पार चला गया था। गुरुवार को एक दिन में 104 संक्रमितों की मौत हुई थी जो पांच महीनों में सबसे ज्यादा है। राजस्व विभाग के अनुसार, दिल्ली में 15 नवंबर तक की स्थिति के अनुसार दिल्ली के तीन जिलों में 500 से ज्यादा कंटेनमेंट जोन हैं। इनमें दक्षिण-पश्चिम (740), दक्षिण (700), पश्चिम (568) और दक्षिण-पूर्वी (505) शामिल हैं। मध्य दिल्ली में कंटेनमेंट जोन की संख्या 472 है, जबकि उत्तर-पश्चिम दिल्ली में 421 तो नई दिल्ली जिले में 246 कंटेनमेंट

जोन हैं। दिल्ली में रविवार तक कोरोना वायरस के कुल मामले 4.85 लाख से ज्यादा थे जबकि मृतक संख्या 7614 थी।

**दिल्ली के अनेक अस्पतालों में तेजी से भर रहे हैं गैर-कोविड आईसीयू बेड्स**-वहीं, राजधानी के अनेक बड़े अस्पतालों में गैर-कोविड-19 आईसीयू बेड्स कोरोना वायरस के मामलों में इजाफे के अनुपात में ही तेजी से भरते जा रहे हैं। एक आधिकारिक आंकड़े में यह जानकारी दी गई। दिल्ली में कोविड-19 के मामलों में ऐसे समय में वृद्धि हो रही है जब सर्दियां आ रही हैं और शहर की आबोहवा भी खराब है। इससे सांस लेने में समस्या वाले लोगों की जटिलताएं और बढ़ रही हैं।

**हॉट स्पॉट की आशंका होने पर दिल्ली में पूरे बाजार को बंद करने की तैयारी**-डेटा के अनुसार मैक्स अस्पताल, पटपड़गंज, बत्रा अस्पताल, फोर्टिस अस्पताल, शालीमार बाग और फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हार्ट इंस्टीट्यूट में सभी गैर-कोविड-19 आईसीयू बेड्स भरे हुए हैं। एम्स समेत सरकारी अस्पतालों में भी ये बेड्स तेजी से भर रहे हैं। एम्स में 86 ऐसे बेड्स में से केवल 19 खाली हैं। इसी तरह सर गंगाराम अस्पताल में 108 में से 39, अपोलो अस्पताल में 81 में से 11 और बीएलके अस्पताल में 94 में से 36 बेड्स ही खाली हैं। राजधानी के अनेक अस्पतालों में कोविड-19 के आईसीयू बेड्स की संख्या पहले ही भर गई है और अन्य केंद्रों में भी इनकी संख्या तेजी से कम हो रही है।

## कांग्रेस के पूर्व सांसद के बेटे के घर लाखों की चोरी, जांच में जुटी पुलिस

**ग्वालियर।** मध्यप्रदेश के ग्वालियर से कांग्रेस के पूर्व सांसद रामसेवक बाबूजी के बेटे धर्मवीर सिंह गुर्जर के घर से लाखों की चोरी हो गई। दरअसल, माधवनगर के एम-148 बंगले में रविवार रात चोरों ने धाबा बोल दिया और कीमती गहनों के साथ पैसे चुरा लिए। वहीं, मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जब धर्मवीर सिंह गुर्जर के घर पर चोरी हुई तो उस समय घर में कोई मौजूद नहीं थी। धर्मवीर सिंह को बंगले में चोरी का पता सोमवार को लगा। बता दें, दिवाली के कारण उनकी पत्नी मायके गई थी, तो वहीं, धर्मवीर सिंह गुर्जर अपने दोस्तों के साथ घर से बाहर चले गए थे। वहीं, इस घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने चोरों का पता लगाने के लिए फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट व स्नॉफर डॉग को भी मौके पर बुलाया था। लेकिन चोरों का सुराग पुलिस के हाथ नहीं लगा हैं। अब इस मामले में पूर्व कांग्रेसी सांसद बाबूजी ने बताया कि सोमवार की सुबह बेटे के घर में चोरी होने की सूचना मिली। उन्होंने बताया कि धर्मवीर सिंह गुर्जर की पत्नी दीपावली मनाने के लिए मायके गई है। बेटा अकेला होने के कारण रात को बंगले पर ताला लगाकर दोस्तों के यहां पार्टी मनाने के लिए चला गया। सुबह घर लौटने पर चोरी होने का पता चला। बाबूजी ने बताया कि बंगले के ताले टूटे पड़े थे। कमरों के अंदर रखी अलमारी खुलीं मिलीं हैं। अलमारी का सामान फर्श पर बिखरा पड़ा मिला है। सोने-चांदी के बॉक्स खाली मिले हैं। वह बहू को बुलाकर पता कर रहे हैं कि घर में कितना पैसा व कितने की कीमत के गहने चोरी गए हैं। धर्मवीर पेट्रोल पंप के साथ खेतीबाड़ी का काम भी देखता है। बता दें, बंगले की दीवारें 10 फीट से ऊंची है, ऐसे में पुलिस को आशंका है कि चोर एक से अधिक हो सकते हैं। इस मामले में विवेचक एसआइ भगत ने बताया कि फरियादी ने अभी चोरी किए गए सामान की सूची नहीं दी है और साथ ही यह भी नहीं बताया कि पैसा कितना चोरी हुआ है। चोरों का सुराग लगाने के लिए पड़ताल की जा रही है। बंगले के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी देखेंगें। पुलिस का दावा है कि जल्द ही चोरों का सुराग लगा लिया जाएगा।

## देश जब भी चाहेगा शिवसेना हिंदुत्व का तलवार भांजते हुए आ जाएगी आगे: संजय राउत

**मुंबई।** लंबे समय तक साथ रही बीजेपी और शिवसेना के नेताओं में जुबानी जंग लगातार जारी है। शिवसेना संजय राउत ने मंगलवार को कहा कि देश को जब भी जरूरत होगी उनकी पार्टी हिंदुत्व का तलवार भांजते हुए आगे आ जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि वह और उनकी पार्टी हमेशा हिंदुत्ववादी थी और रहेगी। शिवसेना नेता ने एएनआई से कहा, में हमारा हिंदुत्व सर्टिफिकेट किसी पार्टी से लेने की जरूरत नहीं है। हम हिंदुत्ववादी थे, हैं और हमेशा रहेंगे। हम उनकी तरह हिंदुत्व राजनीति नहीं करते हैं। जब भी देश को हमारी जरूरत होगी, शिवसेना हमेशा हिंदुत्व का तलवार लहराते हुए आगे आ जाएगी। यह पहली बार नहीं है जब राउत ने हिंदुत्व को लेकर बीजेपी पर निशाना साधा है। 16 नवंबर से महाराष्ट्र सरकार की ओर से धार्मिक स्थलों को दोबारा खोले जाने की घोषणा के बाद बीजेपी ने इस कदम को हिंदुत्व की जीत बताया था। राउत ने रविवार को यह कहते हुए निशाना साधा कि इन्हें (धार्मिक स्थलों को) पीएम मोदी के निर्देश पर बंद किया गया था। राउत ने कहा, लॉकडाउन पीएम नरेंद्र मोदी की ओर से लगाया गया था

कहा, यह किसी की जीत या हार नहीं है। शिव सेना नेता ने पार्टी पर और मंदिरों को बंद रखने का फैसला भी उनका था। इसलिए कोई वजह नहीं है कि बीजेपी इस मामले में हिंदुत्व की जीत के लिए क्रेडिट ले। मैं मानता हूं कि प्रधानमंत्री को ऐसे लोगों को हार और जीत का मतलब बताना होगा। राउत ने यह भी जोर दिया कि पूजा स्थलों को खोलने में केंद्र सरकार की ओर से घोषित एसओपी का पालन किया जा रहा है। राउत ने कहा, सरकार की ओर से तैयार एसओपी का सख्ती से पालन करने की जरूरत है। श्रेय लेने की कोई जरूरत नहीं है। यह भगवान की मर्जी थी कि लोग घरों में रहें और यह भी उनकी ही इच्छा है कि सावधानी के साथ पूजा स्थलों को दोबारा खोला जाएगा। कोरोना महामारी की वजह से कई महीनों तक बंद रहने के बाद महाराष्ट्र में सभी धार्मिक स्थलों को सोमवार से खोल दिया गया है।

### लव जिहाद के खिलाफ एमपी में आएगा कानून, होगी 5 साल जेल की सजा

**भोपाल।** हरियाणा के वल्लभगढ़ में निकिता मर्डर केस के बाद देशभर से लगातार लव जिहाद पर कानून बनाने को लेकर आवाजें उठ रही हैं। उत्तर प्रदेश और हरियाणा के बाद मध्य प्रदेश सरकार भी लव जिहाद के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए कानून लाने की तैयारी कर रही है। इस मामले में मध्य प्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि सरकार जल्द लव जिहाद के खिलाफ कानूनी व्यवस्था बनाएगी। नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि मध्यप्रदेश फ्रीडम ऑफ रिलिजन बिल 2020 को विधानसभा में पेश करने की तैयारी कर रहा है। इसमें 5 साल के कठोर कारावास का प्रावधान होगा। हम यह भी प्रस्ताव कर रहे हैं कि ऐसे अपराधों को एक संज्ञेय और गैर-जमानती अपराध घोषित किया जाए। उन्होंने कहा कि जहां धर्म परिवर्तन, बलपूर्वक, धोखाधड़ी से या किसी को प्रलोभन देकर विवाह होगा वह शादी मान्य नहीं होगी। इस अपराध को करने में मदद करने वालों को भी आरोपी माना जाएगा। आपको बता दें, इससे पहले मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी लव जिहाद के खिलाफ कानून लाने की बात कह चुके हैं।

## युवक के साथ हुई मारपीट, गम्भीर हालत में जिलाचिकित्सालय रिफर

**ललितपुर।** तहसील महरौनी अंतर्गत थाना सोजना के ग्राम गौना कुष्माण निवासी घायल मन्जू मिश्रा के पिता हरचरन मिश्रा ने बताया कि उसका पुत्र गांव के एक ढाबे पर था तभी गांव के खरगु पुत्र गोपी कुशवाहा, सोवरन पुत्र दरूआ ने घायल व्यक्ति से शराब लाने को कहा तो पीड़ित ने शराब लाने से मना कर दिया तो उक्त लोगो ने पीड़ित के साथ जाती सूचक शब्दो से गाली गलौज कर पत्थर से सिर पर बार कर दिया जिससे पीड़ित गंभीर रूप से घायल हो गया और मौके पर उसे जिलाचिकित्सालय लाया गया।

## योगी सरकार का एक्शन जारी, अतीक के फरार साढू इमरान जई के मकान पर चला बुलडोजर

**प्रयागराज।** माफियाओं के खिलाफ योगी सरकार का एक्शन जारी है। मंगलवार को प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने बाहुबली पूर्व सांसद अतीक अहमद के साढू इमरान जई के मकान को ध्वस्त कर दिया। करीब ढाई हजार वर्ग गज जमीन पर खड़े इस मकान को गिराने के लिए सुबह-सुबह पुलिस और प्रशासनिक अमला पहुंच गया था। पुलिस के मुताबिक इमरान जई हिस्ट्रीशीटर है। उसके खिलाफ कई मुकदमे चल रहे हैं। वह फरार चल रहा है। गौरतलब है कि इसके पहले भी प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) अतीक और उसके कई गुर्गों के खिलाफ कार्रवाई कर

चुका है। अतीक के साढू इमरान जई का मकान प्रयागराज के खुल्दाबाद के चकिया इलाके में बना था। इसकी कीमत करोड़ों में बताई जा रही है। इसके पहले भी अतीक और गुर्गों की करोड़ों की सम्पत्तियां ध्वस्त की चुकी हैं। प्रयागराज विकास प्राधिकरण के अधिकारी ने बताया कि माफियाओं के खिलाफ प्रदेश सरकार की नीति के तहत यह कार्रवाई की गई है। इमरान जई ने बगैर नक्शा पास कराए यह मकान बनाया था।

### व्यापारी नेता ने लाइसेंसी रिवाल्वर से सरेराह की फायरिंग, वीडियो अपलोड करना पड़ गया भारी

**दानगंज (वाराणसी)।** वाराणसी में लाइसेंसी रिवाल्वर से सरेराह हवाई फायरिंग करना व्यापारी नेता के परिवार को भारी पड़ गया है। परिवार के चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया है। चोलापुर थाना क्षेत्र के दानगंज चौकी से चंद कदम की दूरी पर दिवाली की रात लाइसेंसी रिवाल्वर से हवाई फायरिंग की गई थी। फायरिंग का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड किया गया। वीडियो वायरल हुआ तब भी दानगंज चौकी और चोलापुर थाने की पुलिस हाथ पर हाथ धरे बैठी रही। जब उच्चाधिकारियों ने फटकार लगाई तो सोमवार की दोपहर चोलापुर थाने में चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया।

## सात साल की मासूम के मुंह में कपड़ा ठूंसकर रेप, मां के साथ बदसलूकी

**गोरखपुर।** गोरखपुर के गगहा इलाके के एक गांव फिर हैवानियत की घटना सामने आई। गांव की महिला के साथ छेड़खानी कर रहे युवक ने उसकी सात साल की बच्ची के साथ मुंह में कपड़ा ठूंसकर गांव के किनारे बंधे पर स्थित झोपड़ी में रेप कर दिया। बच्ची को खोजते हुए मां पहुंची तो वह वहां खून से लथपथ पड़ी थी। आरोपित मौके से भाग निकला। बच्ची ने गांव के युवक द्वारा अपने साथ की गई दरिंदगी बयां की। तब मां ने इसकी सूचना गगहा पुलिस को दी।

पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपित सिंटू राव (38 वर्षीय) को गिरफ्तार कर लिया। बताया जा रहा है कि सिंटू, रेप के मामले में पहले भी मुम्बई में जेल जा चुका है। वहां से छूटकर पांच महीने पहले ही गांव आया था। जानकारी के मुताबिक रविवार को दिन में दो बजे के करीब बच्ची के पिता भैंस चराने चले गए थे। जबकि बच्ची की मां बगल में कुछ ही दूरी पर घास साफ कर रही थी। तभी सिंटू बंधे पर स्थित उसकी झोपड़ी में गया। वहां बच्ची को अकेला पाकर उसके साथ

हैवानियत की। बेटी को खोजते हुए मां जब तक झोपड़ी में पहुंची तब तक आरोपी फरार हो गया था। लोकलाज के भय से मां ने रविवार को इसकी सूचना थाने पर नहीं दी। हालांकि जब गांव के अन्य लोगों को इसकी खबर हो गई तब सोमवार की सुबह बच्ची की मां ने गांव के आरोपी सिंटू राव के खिलाफ गगहा थाने में तहरीर दी। गगहा पुलिस ने दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कर आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। वहीं बच्ची का मेडिकल कराया जा रहा है। महिला ने बताया कि आरोपित पहले उसे भी छेड़ता था लेकिन वह विरोध नहीं करती थी। पर जब बच्ची के साथ घटना हुई तब उसे रहा नहीं गया।

**दो बेटियों का बाप है आरोपित**-सात साल की बच्ची से रेप करने वाला आरोपित सिन्टू खुद दो बेटियों का बाप है। बड़ी बेटी 14 साल तो छोटी 16 साल की है। आरोपित का पांच साल से उसकी पत्नी से कोई रिश्ता नहीं है। पांच साल पहले दोनों बेटियों को लेकर पत्नी कोलकत्ता चली गई है। कोलकता में रह कर गुजार-बसर के लिए कुछ काम करती है।

**पांच महीने पहले मुम्बई से गांव आया है सिंटू**-सिंटू खुद मुम्बई में रहता था। वहां वह किसी निजी फर्म में काम करता था। पांच महीने पहले वह घर आया था। ग्रामीणों के मुताबिक मुम्बई में रेप के आरोप में भी वह जेल गया था। जेल से छूटने के बाद ही गांव आया था।

## सीएम योगी आदित्यनाथ ने बदरीनाथ धाम में किए दर्शन

**बदरीनाथ।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र रावत मंगलवार सुबह बदरीनाथ धाम पहुंचे। दोनों प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों ने धाम में प्रवेश कर विशेष पूजा-अर्चना की। वीवीआईपी मूवमेंट को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। उत्तर प्रदेश भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह व उत्तराखंड के कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक ने भी धाम के दर्शन किए। गौरतलब है कि यूपी के सीएम योगी का सोमवार को बदरीनाथ धाम के दर्शन करने का प्रोग्राम था। लेकिन, केदारनाथ में खराब मौसम की वजह से वह बदरीनाथ धाम नहीं आ सके। इससे पहले, योगी ने केदारनाथ धाम के कपाट बंद होने के कार्यक्रम में शिरकत की थी। वह केदारनाथ धाम रविवार शाम को पहुंच गए थे। राहत की बात है कि उत्तराखंड के पर्वतीय जिलों में आज मौसम साफ है। बदरीनाथ, केदारनाथ सहित चारों धामों में आज धूप खिली हुई है। बारिश व बर्फबारी रुकने के बाद प्रशासन ने भी राहत की सांस ली है।

**सीएम योगी ने पर्यटक आवास गृह का शिलान्यास किया**-उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग की ओर से चमोली जिले के तहसील जोशीमठ में स्थित श्रीबद्रीनाथ धाम में एक एकड़ भूमि पर 40 कमरों के पर्यटक आवास गृह का निर्माण कराया जा रहा है, जिसका शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर इसकी लागत करीब 11 करोड़ है। इसमें 40 कमरों के साथ रेस्टोरेंट, कांफ्रेंस हाल, डारमेट्री और पार्किंग की सुविधा होगी।

## मोबाइल के साथ मोबाइल चोर भी पुलिस की जाल में

**अमन राय ब्यूरो चीफ**

त्योहारी सीजन में जहां एक ओर लोग अपने त्योहारों को लेकर मग्न है. वहीं आसनसोल दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट लगातार लोगों की सुरक्षा के लिए चाक-चौबंद व्यवस्था रखे हुए हैं. कमिश्नरेट के ईस्ट जोन स्थित अरविंदो थाना पुलिस क्षेत्र में पेट्रोलिंग कर रही है. पुलिस की तत्परता देखी जा रही है. पुलिस के इस पेट्रोलिंग से लगातार उन्हें सफलता भी मिल रही है. अरविंदो थाना पुलिस ने दर्जनों मोबाइल फोन के संग तीन अपराधियों को धर दबोचा है. जिनके नाम है सरोज कुमार बींद जो मायाबाजार का रहने वाला,बिभाकर बरनवाल तमला ब्रिज का निवासी है, एमडी कौशर वरिया का रहने वाला है. इसके पहले भी ईस्ट जोन पुलिस ने कई शातिर गैंग का पर्दाफाश किया है. पुलिस अब इन्हें भी पकड़कर इनके बाकी नेटवर्क के बारे में पता कर रही है.

## सांसद रीता बहुगुणा जोशी की आठ साल की पोती की पटाखे से झुलसकर मौत

**प्रयागराज।** उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से बीजेपी सांसद डॉ. रीता बहुगुणा जोशी की आठ साल की पोती का सोमवार देर रात निधन हो गया। रीता बहुगुणा जोशी के बेटे मयंक जोशी की बेटी किया सोमवार शाम साढ़े चार बजे के करीब बच्चों के साथ पटाखे फोड़ते समय जल गई थी। इसके बाद उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान उसका निधन हो गया।

सांसद रीता बहुगुणा ने रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रमुख सचिव से बात कर बच्ची को एयर एम्बुलेंस से दिल्ली ले जाने की तैयारी कर ली थी। मंगलवार सुबह बच्ची को दिल्ली ले जाना था, लेकिन 1.30 से 2 बजे के आसपास बच्ची को सांस लेने में तकलीफ हुई और फिर डॉक्टर उसे बचा नहीं सके। सांसद के इकलौते बेटे मयंक लखनऊ से सोमवार की रात में ही सीधे दिल्ली पहुंच गए थे। आधी रात बच्ची के निधन होने की सूचना मिलने के बाद मयंक दिल्ली से प्रयागराज रवाना हो गए। इस घटना से

सांसद के समर्थकों में शोक की लहर दौड़ गई। सांसद डॉ. रीता जोशी अपने पति पीसी जोशी के साथ दीपावली पर प्रयागराज आवास पर आई थीं। सांसद के मीडिया प्रभारी अभिषेक शुक्ल ने बताया कि बच्चे घर की छत पर खेल रहे थे। इस दौरान पटाखा फटने से किया बुरी तरह घायल हो गई। उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसके 60 प्रतिशत तक जलने की जानकारी दी। आपको बता दें कि मयंक की शादी 2007 में हुई थी और किया उनकी इकलौती बेटी थी।

**कोरोना को हराया लेकिन पटाखे से हार गई मासूम**-आठ साल की मासूम ने कोरोना को तो हरा दिया लेकिन पटाखे से हार गई। सांसद डॉ. रीता बहुगुणा जोशी, बहू रिचा के साथ पोती किया 9 सितंबर को कोरोना पॉजीटिव पाई गई थी, जिसके बाद तीनों लोगों को पीजीआई लखनऊ से मेदांता दिल्ली शिफ्ट किया गया था। सांसद के पति पीसी जोशी का मेदांता पहले से इलाज चल रहा था। मासूम किया सितंबर के तीसरे सप्ताह में कोरोना से जंग जीतकर डिस्चार्ज हुई थी। दीपावली पर बच्चों के साथ किया भी चहक उठी लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था।

# दीवाली ने कैसे रोशन कर दी कचरे के ढेर में पड़े थानेदार की ज़िंदगी

**केशब पडित जी अम्बाह**

**ग्वालियर**.. मनीष मिश्रा दस नवम्बर की रात कचरे के ढेर में खाना तलाशते और ठंड से सिकुड़ते पुलिस अफसरों को मिले थे । वहीं खुलासा हुआ कि यह कोई भिखारी नही उन्ही का बैचमेट सब इंस्पेक्टर है । इसके बाद अब उनकी दीवाली गुलज़ार हो गई। ग्वालियर । अपने पुराने दोस्तों से मिलने के बाद कभी शार्प शूटर और थानेदार रहे मनीष मिश्रा की ज़िंदगी वापिस पटरी पर लौटने लगी है । मनीष दस नवम्बर की रात कचरे के ढेर से सामान ढूंढतेऔर ठंड से सिकुड़ते पुलिस अफसरों को दिखा था । उसने उन अफसरों को नाम से पुकारकर चौंकाया था कि वह उनके साथ का ही थानेदार है । इसके बाद वे लोग उसे उपचार कराने ले गए । दीवाली मनाने उसके सारे बैचमेट जब साथ पहुंचे तो उसने सबको पहचान लिया ।

10 साल बाद गुमनामी के अंधेरे से बाहर आए दरोगा मनीष मिश्रा की जिंदगी भी अब पटरी पर लौटने लगी है। स्वर्ग सदन आश्रम में रह रहा है ।मनीष अब अपने पुराने साथियों को पहचानने लगा और बीते दिनों की बातें भी याद कर रहा है। दीवाली की रात मनीष मिश्रा से मिलने के लिए उनके बैच के छह टीआई स्वर्ग सदन आश्रम पहुंचे। ग्वालियर के थाना प्रभारी आसिफ मिर्जा बेग, श्वह्लड्ड इंस्पेक्टर सतीश चतुर्वेदी, टीआई राम नरेश यादव, सतीश भदोरिया, पंकज द्विवेदी स्वर्ग सदन आश्रम पहुंचे और मनीष मिश्रा से मुलाकात की। मनीष ने एक के बाद एक सभी को पहचान लिया और फिर पुराने दिनों की बातें निकल आई। मनीष ने उस दौर में अपने साथ रहे थाना प्रभारियों से पुलिसिंग को लेकर बातचीत की और अपने पुराने दिन भी याद किए। इस दौरान मनीष मिश्रा को अपने एक और बेच मेट शिव सिंह यादव की याद आई तो उन्होंने आसिफ मिर्जा बेग से शिव सिंह के बारे में पूछा। आसिफ ने मनीष को बताया कि शिव सिंह इन दिनों मुरैना जिले के अम्बाह थाने से तबादला होकर भिंड जिले के मेहगांव थाने में टीआई है। मनीष की इच्छा पर आसिफ में फोन से वीडियो कॉल के जरिए शिव सिंह से बात कराई। मनीष ने शिवसिंह से खूब बात की और बच्चे और परिवार का हाल भी। मनीष से मिलने वाले उसके सभी बैचमेट्स थाना प्रभारियों का कहना है कि उन्हें उम्मीद है कि मनीष जल्द ही पूरी तरह से स्वस्थ होगा उनका इलाज होगा और उसके बाद वह वापस अपनी नौकरी में लौट आएंगे। गौरतलब है कि 10 नवंबर की रात मनीष कचरे में खाना तलाश रहा था उसी दौरान उनके बैचमेट रहे डीएसपी रत्नेश तोमर और विजय सिंह भदोरिया वहां से गुजरे। उन्होंने मनीष को ठंड से कांपते देख अपनी जैकेट दे दी। जब लौटने लगे तो मनीष ने ष्ठस्क्क विजय सिंह भदोरिया को उनके नाम से पुकारा, तो साथी ष्ठस्क्क रत्नेश तोमर हैरान रह गए उन्होंने पूछा कि तुम इनका नाम कैसे जानते हो तो मनीष ने रत्नेश तोमर को भी नाम से पुकारा तो उनकी हैरानी बढ़ गई आखिर जब उन्होंने बात की तो खुलासा हुआ कि ये उनका साथी मनीष मिश्रा है।

## संभाग आयुक्त आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए करेंगे पंचायत एवं

### ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं की समीक्षा

ग्वालियर। संभाग आयुक्त श्री आशीष सक्सेना ग्वालियर संभाग में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के माध्यम से संचालित योजनाओं की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए समीक्षा करेंगे। यह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग 18 नवंबर को प्रातः 11 बजे से होगी। जिसमें ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर व दतिया जिले के जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी, कार्यपाल यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा सहित संभाग की सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी भाग लेंगे। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में खास तौर पर पथ विक्रेता उत्थान योजना ग्रामीण, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना, स्वरोजगार मेला आयोजन/स्वरोजगार प्रदाय की स्थिति, स्व-सहायता समूहों का सशक्तिकरण, आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश, जिलावार कार्ययोजना/क्रियान्वयन, मनरेगा योजना, गौशाला का निर्माण एवं संचालन, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, सीएम हैल्पलाइन, जवाब प्रस्तुत हेतु लंबित न्यायालयीन प्रकरण, पंच परमेश्वर योजना, ईओएल सर्वे की प्रगति, लंबित शिकायतें, सिंचाई जलाशयों को पट्टे पर दिए जाना, सांसद निधि, राज्यसभा निधि, विधायक निधि, जनभागीदारी, आदिम जाति कल्याण विभाग, आंगनबाड़ी निर्माण, किचन शेड निर्माण जिला एवं जनपद स्तरीय परफोरमेंस ग्रांट आदि, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के निर्माण कार्य एवं स्वच्छ भारत मिशन सामुदायिक स्वच्छता परिसर निर्माण, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन की कार्य योजना एवं प्रगति आदि योजनाओं व कार्यक्रमों की समीक्षा की जाएगी। संभाग के सभी जिलों के जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को इन बिंदुओं से संबंधित जानकारी ई मेल के जरिये 16 नवंबर तक संभाग आयुक्त कार्यालय में भेजने के निर्देश दिए गए हैं।

## जन्म दिवस दीप्ति सांगी

### नारी शक्ति पुकार के सचिव के द्वारा

साइंस कॉलेज के पास झुग्गी झोपडी में कपड़े बड़ों में बच्चों को कपड़े खिलौने टॉफियां दिए बाती पटाखे इत्यादि वितरण किए जिसमें नारी शक्ति की पुकार उपाध्यक्ष मधु शर्मा मीता राजपूत मंजू मौर्य और सचिव दीप्ति सांगी आदि उपस्थित थे





## नगर निगम ग्वालियर एवं नगर पालिका डबरा के वार्डों की आरक्षण की प्रक्रिया सम्पन्न

**ग्वालियर ।** नगर पालिका निगम ग्वालियर एवं नगर पालिका डबरा के वार्डों के आरक्षण की प्रक्रिया मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय के जन-सुनवाई कक्ष में हुई। आरक्षण की प्रक्रिया कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह द्वारा की गई। इस मौके पर एडीएम श्री टी एन सिंह, अपर कलेक्टर श्री रिंकेश वैश्य एवं एसडीएम श्री विनोद भार्गव उपस्थिति थे। वार्डों के आरक्षण के समय जनप्रतिनिधि की उपस्थिति में पूरी प्रक्रिया के साथ वार्डों का आरक्षण किया गया। आरक्षण के पश्चात नगर निगम ग्वालियर एवं नगर पालिका डबरा की स्थिति इस प्रकार है -



## महिला शक्ति सामाजिक संस्था

### द्वारा आज झुग्गी झोपड़ियों में जरूरतमंदों के साथ दिवाली की खुशी व अन्य सामग्री भेंट कर खुशियां बनाई

**ग्वालियर।** महिला शक्ति सामाजिक संस्था द्वारा बिरला नगर स्थित झुग्गी झोपड़ियों में वहां रहने वाले निवासियों के लिए दिवाली की भेंट दिया गया। हमारे समाज में कुछ वर्ग पिछड़े हुए हैं संस्था का यह उद्देश्य था की उनकी भी दिवाली सामान्य लोगों की तरह हो और वह हंसी खुशी से इस त्यौहार को मना पाए। इसमें मुख्य अतिथि समाजसेविका सीता पाणीग्राही रही। संस्था अध्यक्ष हर्षिता गुर्जर अनुराधा तोमर कंचन शर्मा हैरी गुप्ता पूजा गुर्जर रक्षा सिंह राजपूत शिवांश गुर्जर अभिषेक गुर्जर चंचल गुप्ता बबीता गुप्ता नेहा पारीक आदि उपस्थित रही।

## दीपावली पर कुछ झुग्गी झोपड़ी में बच्चों की खुशी का पल हमारे साथ



आज दीपावली पर नारी शक्ति की पुकार संस्था की ओर से दीनदयाल नगर की झुग्गी, झोपड़ियों में जाकर हम सभी बहनों ने बच्चों को तथा बड़ो को कपड़े, बिस्कुट, कुरकुरे, चॉकलेट,बच्चों के टिफ़िन, बोतल, गर्म कपड़े,दिये, आदि सामान देकर उन सभी लोगों के चेहरों पर खुशी देखी। अपने परिवार के साथ सभी त्योहारों को मनाते हैं। कुछ पल इन लोगों के साथ भी बिताना अच्छा लगता है। भगवान सभी को हमेशा खुश रखे। हम सभी की यही शुभकामनायें सभी झुग्गी झोपड़ी वालों के साथ है। नारी शक्ति की पुकार संस्था की उपाध्यक्ष मधु शर्मा, जिला अध्यक्ष रूबी भदौरिया, मेम्बरस दीप्ती गुप्ता, गुडिया शर्मा, रिंकी तोमर आदि उपस्थित थे। ।

## संभागीय समीक्षा बैठक 20 नवम्बर को

ग्वालियर । विकास कार्यों की संभागीय समीक्षा बैठक संभाग आयुक्त श्री आशीष सक्सेना की अध्यक्षता में 20 नवम्बर को प्रात- 11 बजे से मोतीमहल के मानसभागार में आयोजित की गई है। बैठक में संभाग के सभी जिला कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सहित संभाग स्तरीय विभागीय अधिकारी उपस्थित रहेंगे। संभाग आयुक्त द्वारा प्रदेश सरकार द्वारा जारी किए गए 15 बिंदु एजेण्डे की समीक्षा के साथ-साथ नजूल भूमि के प्रबंधन एवं निर्वतन निर्देश 2020 की समीक्षा एवं आरसीएमएस प्रकरणों की भी समीक्षा की जायेगी। शासन द्वारा 15 बिंदु के एजेण्डे में समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार, बाजरा खरीदी, कानून व्यवस्था, मिलावट से मुक्ति अभियान, मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना, नवीन पात्रता पर्ची धारियों को खाद्यान्न वितरण, पथ विक्रेता उत्थान योजना, स्व-सहायता समूहों का सशक्तिकरण, कोविड-19 के दिशा-निर्देशों का पालन, आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश का निर्माण, एक जिला एक उत्पाद योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा की जायेगी। इसके साथ ही लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन पोर्टल पर परिसम्पत्तियों की जानकारी का अध्ययन करने के कार्य की समीक्षा, नगरीय निकायों में एकल खाता प्रणाली लागू करने के संबंध में समीक्षा, खाद्य आपूर्ति की समीक्षा के साथ-साथ विद्युत विभाग की भी समीक्षा की जायेगी।

## विभिन्न मिष्ठान भण्डारों से लिए नमूने





### खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने की कार्रवाई

ग्वालियर। आम जनता को शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने एवं खाद्य पदार्थों मे मिलावट रोकने के उद्देश्य से जिले में लगातार मिठाईयों एवं अन्य खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर प्रयोगशाला में जाँच कराई जा रही है। इसी कड़ी में कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने सोमवार को ग्वालियर शहर में विभिन्न मिठाईयों की दुकानों से 7 नमूने लेकर जाँच के लिये राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजे गए हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने मयूर मार्केट ठाठीपुर स्थित बंगाली स्वीट्स, जय भोले मिष्ठान भण्डार सनातन धर्म मंदिर रोड़, न्यू महावीर स्वीट्स कुम्हरपुरा चौराहा, शुभम स्वीट्स नया बाजार चौराहा, अयोध्यावासी स्वीट्स एण्ड नमकीन सदर बाजार एवं नया बाजार स्थित मुरैना मिष्ठान भण्डार से विभिन्न मिठाईयों के नमूने लिए हैं। इस दौरान सभी मिठाई विक्रेताओं को निर्देश दिए गए कि त्यौहार बीत जाने पर बासी मिठाईयाँ कदापि न बेची जाएँ। दुकानों का संचालन मास्क पहनकर एवं सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए करें। डिप्टी कलेक्टर एवं अभिहित अधिकारी खाद्य सुरक्षा प्रशासन श्री संजीव खेमरिया के नेतृत्व में कार्रवाई के लिये गए दल में खाद्य सुरक्षा अधिकारी सर्वश्री रवि कुमार शिवहरे, लोकेन्द्र सिंह, आनंद शर्मा, लखनलाल कोरी, गोविंद नारायण सरगैंया, सतीश धाकड़, सतीश शर्मा एवं श्रीमती निरूपमा शर्मा शामिल थीं।

## एक दीप शहीदों के नाम

(आयोजन ~ मित्र परिषद भिण्ड)

हर साल की तरह इस बार भी एक दीप शहीदों के नाम जलाकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करें

(नोट- कोरोना के चलते कार्यक्रम भव्य आयोजन नही किया जा सका )

सभी से आग्रह निवेदन है 13/11/2020 को शाम 6 बजे शहीद स्तम्भ पर एकीकृत होकर एक दीप शहीदों के नाम जलाकर शहीदों को याद कर श्रद्धांजलि अर्पित करे

स्थान~ शहीद स्तम्भ सर्किट हाउस के पास भिण्ड

निवेदक: रक्षपाल सिंह कुशवाह
मित्र परिषद भिण्ड

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

पुष्पांजली टुडे

क्लासिफाइड में अगले दिन प्रकाशित होने वाले विज्ञापन की बुकिंग सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक

डिस्प्ले क्लासिफाइड 25/ रु Sq.Cm.
(Min. size 5×9)
कोर्ट नोटिस / आम सूचना साइज
12×5 - 2000 रु

निःशुल्क: बच्चों के बर्थडे एवं शादी की सालगिरह श्रद्धांजलि शोक संदेश उठावनी

संपर्क सूत्र : 8269307478,7999246560

P TV NEWS INDIA प्रतिभा हम निखारेंगे PUSHPANJALI TODAY न्यूज़ नई सोच नई पहल

अगर आपके अंदर है कोई जज्बा तो उभर कर आइये आगे आपकी लिखी हुई कहानी, लेख, कविताओं को हम देंगे जगह आपके अंदर की प्रतिभा को हम उभारेंगे ।

तो देर किस बात की हमे भेजें अपनी कविता, लेख, कहानियां फिर देश की आर्थिक स्थिति या फिर स्वच्छता के ऊपर अपने विचार

आप हमें व्हाट्सप या मेल भी कर सकते हैं

हमारा उद्देश्य भारत में छिपी प्रतिभाओं को बाहर निकालना।

Whatsapp :- 9425665944,7999246560, 9691270207
gmail - pushpanjalitoday@gmail.com

नोट - व्हाट्सएप या मेल करते समय ध्यान रखे भेजने वाला व्यक्ति अपनी फोटो ओर नाम/ पता / अवश्य भेंजे

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478